NCERT SOLUTIONS

CLASS - 7th

aglasem.com

Class : 7th

Subject : हिन्दी

Chapter : 4

Chapter Name : कठपुतली

Q1. कठपुतली को गुस्सा क्यों आया ?

Answer. कठपुतली को गुस्सा इसीलिए आया क्योंकि वह चारों तरफ से धागों से बंधी हुई है | वह इन धागों को तोड़कर, ज़मीन पर अपने पैरों से खड़ी होना चाहती है |

page : 20, Block Name : कविता से

Q2. कठपुतली को अपने पाँवो पर खड़े होने की इच्छा है , लेकिन वह क्यों नहीं खड़ी होती ?

Answer: कठपुतली अपने पैरों पर खड़ा होने की इच्छा रखती है परन्तु वह खड़ी नहीं होती | वह ऐसा इसीलिए करती है क्योंकि जब उस पर सभी कठपुतलियों की स्वतंत्रता की ज़िम्मेदारी आती है तो उसको लगता है की उसे बहुत ही सोच-समझकर कदम उठाना चाहिए |

page : 20, Block Name : कविता से

Q3. पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को क्यों अच्छी लगी ?

Answer : पहली कठपुतली की बात बाकी कठपुतलियों को इसलिए पसंद आती है क्योंकि वह खुद भी स्वतंत्र होना चाहती थी पर कह नहीं पा रही थी | वह सभी अपनी पैरों पर खड़ी होना चाहती थी और अपनी मर्ज़ी से चलना चाहती थी |

page : 20, Block Name : कविता से

Q4 . पहली कठपुतली ने स्वयं कहा कि – 'ये धागे / क्यों है मेरे पीछे – आगे ?इन्हें तोड़ दो ; / मुझे मेरे पाँवों पर छोड़ दो।' – तो फिर वह चिंतित क्यों हुई कि – 'ये कैसी इच्छा / मेरे मन में जगी ? 'नीचे दिए वाक्यों की सहायता से अपने विचार व्यक्त कीजिए -

- उसे दूसरी कठपुतलियों की ज़िम्मेदारी महसूस होने लगी ।
- उसे शीघ्र स्वतंत्र होने की चिंता होने लगी।
- वह स्वतंत्रता की इच्छा को साकार करने और स्वतंत्र को हमेशा बनाए रखने के उपाय सोचने लगी ।
- वह डर गई , क्योंकि उसकी उम्र कम थी ।

Answer : पहली कठपुतली अपने सारे धागे तोड़ कर शीघ्र स्वतंत्र होकर अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती थी, लेकिन जब दूसरी कठपुतलियों की स्वतंत्रता की ज़िम्मेदारी भी उस पर आ गयी तो वह डर गयी क्योंकि उसकी उम्र कम थी | वह चाहती थी की जब वह आज़ाद हो तो हमेशा के लिए हो ना की कुछ समय के लिए |

page : 20, Block Name : कविता से

कविता से आगे

Q1 ‘ बहुत दिन हुए / अपने मन के छंद छुए।‘ – इस पंक्ति का अर्थ और क्या हो सकता है ? अगले पृष्ठ पर दिए हुए वाक्यों की सहायता से सोचिए और अर्थ लिखिए -

(1) बहुत दिन हो गए ,मन में कोई उमंग नहीं आई ।

(2) बहुत दिन हो गए , मन के भीतर कविता – सी कोई बात नहीं उठी , जिसमें छंद हो , लय हो ।

(3) बहुत दिन हो गए , गाने-गुनगुने का मन नहीं हुआ ।

(4) बहुत दिन हो गए, मन का दुख दूर नहीं हुआ और न मन में ख़ुशी आई |

Answer: इस पंक्ति का अर्थ है कि बहुत दिन हो गए हैं मन को ख़ुशी मिले | इस पंक्ति का तात्पर्य है की बहुत दिन हो गए कठपुतलियों को खुश हुए और कुछ भी अपने मन का करे हुए |

page : 20, Block Name : कविता से आगे

Q2. नीचे दो स्वतंत्रता आदोंलनों के वर्ष दिए गए हैं। इन दोनों आदोलनों के दो - दो स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखिए –

(क) सन् 1857

(ख)सन् 1942

aglasem.com

Answer: क) सन् 1857 - मंगल पांडेय, लक्ष्मी बाई

ख) सन् 1942 - महात्मा गाँधी, जवाहर लाल नेहरू

page : 21, Block Name : कविता से आगे

अनुमान और कल्पना

- स्वतंत्र होने की लड़ाई कठपुतलियाँ कैसे लड़ी होगी और स्वतंत्र होने के बाद स्वावलंबी होने के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए होंगे? यदि उन्हें फिर से धागे में बाँधकर नचाने के प्रयास हुए होंगे तब उन्होंने अपनी रक्षा किस तरह के उपायों से की होगी?

Answer - स्वतंत्र होने की लड़ाई लड़ने के लिए पहले सभी कठपुतलियाँ एकजुट हुई होगी और आपस में बातचीत कर कोई उपाय खोजा होगा | सभी धागों से मुक्त होकर अपना जीवन जीना चाहती थी | स्वतंत्र होने के बाद स्वावलंबी होने के लिए उन्होंने कोई कार्य किया होगा क्योंकि जीवन-यापन के लिए उन्होंने परिश्रम किया होगा | यदि उन्हें फिर से धागे में बाँधकर नचाने के प्रयास हुए होंगे तब उन्होंने अपनी रक्षा के लिए विरोध किया होगा |

page : 21, Block Name : अनुमान और कल्पना

भाषा की बात

Q1. कई बार जब दो शब्द आपस में जुड़ते हैं तो उनके मूल रूप में परिवर्तन हो जाता है | कठपुतली शब्द में भी इस प्रकार का सामान्य परिवर्तन हुआ है | जब काठ और पुतली दो शब्द एक साथ हुए कठपुतली शब्द बन गया और इससे बोलने में सरलता आ गई | इस प्रकार के कुछ शब्द बनाइए -

जैसे - काठ(कठ) से बना - कठगुलाब, कठफोड़ा

हाथ - हथ , सोना - सोन , मिट्टी - मट

Answer -

हाथ (हथ) - हथकड़ी, हथगोला

सोना (सोन) - सोनचिड़ियाँ, सोनपरी

मिट्टी (मट) - मटमैला

aglasem.com

page : 21, Block Name : भाषा की बात

Q2. कविता की भाषा में लय या तालमेल बनाने के लिए प्रचलित शब्दों और वाक्यों में बदलाव होता है। जैसे- आगे-पीछे अधिक प्रचलित शब्दों की जोड़ी है, लेकिन कविता में 'पीछे-आगे' का प्रयोग हुआ है। यहाँ 'आगे' का '...बोली ये धागे' से ध्वनि का तालमेल है। इस प्रकार के शब्दों की जोड़ियों में आप भी परिवर्तन कीजिए- दुबला-पतला, इधर-उधर, ऊपर-नीचे, दाएँ-बाएँ, गोरा-काला, लाल-पीला आदि।

Answer:

(i) दुबला - पतला = पतला - दुबला

(ii) इधर - उधर = उधर - इधर

(iii) ऊपर - नीचे = नीचे - ऊपर

(iv) दाँए - बाँए = बाँए - दाँए

(v) गोरा - काला = काला - गोरा

(vi) लाल - पीला = पीला - लाल

page : 21, Block name - भाषा की बात

aglasem.com